



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94]
No. 94]नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 4, 2007/चैत्र 14, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 4, 2007/CHAITRA 14, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली; 4 अप्रैल, 2007

जांच शुरुआत

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सैफट्राईएक्सोन सोडियम स्टराइल के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

फा. सं. 14/18/2006-डीजीएडी.—यतः मैसर्स अरबिंदों फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदनकर्ता कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया था) के अनुसरण में एक आवेदन दायर किया है, जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सैफट्राईएक्सोन सोडियम स्टराइल (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया है।

एवं यतः प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का अस्तित्व है, अतः प्राधिकारी एतद्वारा उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 की शर्तों के अनुसरण में कथित पाटन तथा इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच हेतु जांच की शुरुआत करते हैं ताकि कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव, यदि कोई हो, का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क के रूप में उस राशि की संस्तुति की जा सके, जो लगाए जाने पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति को हटाने के लिए पर्याप्त होगी।

2. विचाराधीन उत्पाद

जैसे कि आवेदक ने अनुरोध किया है, जांच के अधीन उत्पाद सैफट्राईएक्सोन सोडियम स्टराइल है, जिसे सैफट्राईएक्सोन डाईसोडियम हेमोहाइड्रेट-स्टराइल (सी१४८१६८१४२००/एस३.३ १/२ एवं २००) भी कहा जाता है। यह एक थर्ड जनरेशन पेरेन्टरल सिफेलोस्पोरिन एंटीबायोटिक है। प्राथमिक तौर पर “सैफट्राईएक्सोन सोडियम स्टराइल” एक सक्रिय घेषज पदार्थ (एपीआई) है जिसका उपयोग इंट्रावेनस अथवा इंट्रामस्क्यूलर इंजेक्शनों में भरे जाने वाले फार्मूलेशन में किया जाता है। इस उत्पाद का उपयोग मुख्यतः निचले श्वसन मार्ग के संक्रमण से संबंधित रोगों, त्वचा एवं त्वचा संरचना से संबंधित संक्रमण, पैल्विक इन्प्लमेटरी रोगों, इंट्राएब्डोमिनल संक्रमण, अन्कोप्लीकेटेड गोनोरिया संक्रमण जैसे रोगों तथा सर्जिकल प्रोफाइलेक्सिज में किया जाता है।

इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के सीमाशुल्क शीर्ष 2941 तथा 2942 के तहत वर्गीकृत किया गया है। इससे संबंधित आठ अंकीय वर्गीकरण 2941.9090 तथा 2942.0090 हैं।

3. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्दित उत्पादों तथा संबद्ध देश से आयातित संस्कृत वस्तुओं के बीच कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है, जिसका प्रभाव उसकी कीमत, उपयोग, गुणवत्ता आदि पर पड़ता है। आवेदक ने यह भी दावा किया है कि याचिकाकर्ता तथा चीन जन. गण. के निर्वतिकों की उत्पादन प्रक्रिया में भी कोई वास्तविक भिन्नता नहीं है। अतः वर्तमान जांच के प्रयोगजनार्थ उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वर्तु माना जा रहा है।

4. घरेलू उद्योग और उसकी प्रतिष्ठा

ये आवेदन मैसर्स अरबिंदो फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश, भारत द्वाग द्वागर किया गया है जो भारत में संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य छोटे उत्पादक भी हैं, जैसे ऐसमर्स अर्कांड केमिकल्स, चेनै; मैसर्स ल्यूपिन लैब, एम.पी.; मै. नेक्टर लाइफ साइंस, चंडीगढ़ तथा मैसर्स कोपगन लिमिटेड, मुंबई। प्राधिकारी को जानकारी में यह लाया गया है कि मैसर्स आर्केट केमिकल्स एक 100 प्रतिशत नियर्तोन्मुख इकाई (इओयू) है और इसने जांच उत्पादक के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है, अतः इसे नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसरण में घरेलू उद्योग मानने की पात्रता नहीं है। अन्य घरेलू उत्पादकों की अनुमानिक क्षमताओं तथा उत्पादन मात्राओं के आधार पर आवेदक का भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में प्रमुख दिमाना है; अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक मै. अरबिंदो फार्मा लिमिटेड, नियम 5(3) के अनुसरण में प्रतिष्ठा धारण करते हैं अतः नियम 2(ख) के अनुसरण में घरेलू उद्योग है। तथापि, प्राधिकारी क्षति एवं क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अन्य ज्ञात घरेलू उत्पादकों से सचेता मंगा सकते हैं।

5. सामान्य मूल्य

आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन जन. गण. को नियमावली के अनुबंध-1 के ४(१) तथा ५(१) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाए। अतः चीन जन. गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का अनुमान उस देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानने के आधार पर नियमावली के अनुबंध-12 के पैरा 7 के अनुसार लगाया गया है, जो अलग-अलग नियांत्रकों द्वारा उपर्युक्त विचार के दर्दनाक के अध्यधीन है। तथापि, प्राधिकारी उपर्युक्त उपबंध के अनुसार चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ भविष्य में किसी समुचित रेंजर देश को अधिसंचित कर सकते हैं।

6. निर्यात कीमत

अलग-अलग उत्पादों की नियर्ति कीमत का अनुमान हवाई भाड़े तथा वौमा राशि के ममान्देज़ के बाद द्वितीयक आंकड़ा स्रोतों से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर लगाया गया है।

७. पाटन मर्जिन

प्राधिकारी के समक्ष आवेदन द्वारा रखे गए संकारात्मक साध्य के आधार पर यह प्रतीत होता है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य भारत को निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है, जो प्रथमदृष्ट्या यह इंगित करता है कि संबद्ध देश के निर्यातिकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। इस प्रकार आकृतित पाटन मार्जिन संकारात्मक है और उन्नतम से अधिक है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के बारे में संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा तथा मूल्य एवं घरेलू उद्योग को क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों संबंधी जानकारी प्रस्तुत की है। निरपेक्ष रूप में तथा उत्पादों की मांग से संबंधित, दोनों प्रकार से आयातों की मात्रा में वृद्धि, बाजार हिस्से में हुए घटे, कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री, कीमत अवमूल्यन, संबद्ध वस्तुओं की लाप्रदता एवं नकद नुकसान जैसे मानदंड प्रथम-दृष्ट्या इंगित करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग को अति हार्दिक है।

वास्तविक क्षति के दावे के अलावा आवेदक ने इस आधार पर भी क्षति का दावा किया है कि मन्बद्ध देश से पारित आयातों में वृद्धि की दर अत्यधिक है; निर्यात के देश में मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमता उपलब्ध है जो बहुत काम समय में निर्यातों की दर में वृद्धि से स्पष्ट है और संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में तेजी से आई गिरावट के परिणामस्वरूप कीमत पर उल्लेखनीय दायरा आय घटा रहा है।

१०. प्रक्रिया :

- (क) शामिल देश/भूभाग : चीन जनवादी गणराज्य ।

(ख) जांच अधिक (पीओवाई) : वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अधिक (पीओवाई) 1-10-2006 से 30-9-2006 है। तथापि, क्षति की जांच अधिक में वर्ष 2003-2004, 2004-2005, 2005-2006 तथा जांच अधिक की कुल कुलकुल जाएगा।

(ग) सूचना का प्रस्तुतीकरण : संबद्ध देश के नियोतकों, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से चीन जनवादी गणराज्य की सरकार, भारत में संबंधित आयातक तथा प्रयोक्ता एवं घरेलू उद्योग से अनुरोध है कि वे सुसंगत जानकारी निर्धारित प्रारूप और तरीके से प्रस्तुत करें और निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत कराएँ :

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,

भारत सरकार

उद्योग भवन,

नई दिल्ली-110011

अन्य कोई हितबद्ध पक्ष भी जांच के संबंध में अपना प्रस्तुतीकरण नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र एवं तरीके से प्रस्तुत कर सकता है।

(घ) समय सीमा : वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित में इस प्रकार भिजवाई जाए जो प्राधिकारी को ऊपर उल्लिखित पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिवसों के भीतर प्राप्त होनी चाहिए। तथापि ज्ञात नियोतकों तथा आयातकों को, जिन्हें अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं, उन्हें संबंधित पत्र की तारीख से चालीस (40) दिवसों के भीतर सूचना प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

(ङ) अगोपनीय आधार पर सूचना का प्रस्तुतीकरण : नियमावली के नियम 6(7) के अनुसरण में हितबद्ध पक्षों को प्राधिकारी को प्रदत्त किसी भी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्ष की राय में ऐसी सूचना संक्षिप्तीकरण के अनुकूल नहीं है, तो उसके कारणों का उल्लेख करना भी अपेक्षित है। यदि कोई हितबद्ध पक्ष उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से इंकार करता है अथवा अन्यथा प्रदान नहीं करता, अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी उन्हें उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को ऐसी संस्तुतियां कर सकते हैं जिन्हें वे उचित समझें।

(च) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण : कोई भी हितबद्ध पक्ष नियम 6(7) के अनुसरण में अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

क्रिस्टी एल. फर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 2007.

Initiation

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning import of Ceftriaxone Sodium Sterile originating in or exported from China PR.

F. No. 14/18/2006-DGAD.—Whereas M/s. Aurobindo Pharma Ltd., Hyderabad, (hereinafter referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred as Rules), alleging dumping of Ceftriaxone Sodium Sterile (hereinafter referred to as subject good), originating in or exported from China PR, (hereinafter referred to as subject country) and requested for initiation of Anti-Dumping investigations for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

And, whereas, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry, in terms of the

Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping, in any, and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Product under consideration

The product under investigation, as requested by the applicant, is Ceftriaxone Sodium Sterile, also known as Ceftriaxone Disodium Hemihydrate-Sterile ($C_18H_{16}N_8Na_2O_7S_3.31/2H_2O$). This is a third generation parenteral Cephalosporin Antibiotic. Predominantly 'Ceftriaxone Sodium Sterile' is an active pharmaceutical ingredient (API) used for the formulation of filling the injection for intravenous or intramuscular administration. The product mainly used for the diseases like lower respiratory infection tract infection, skin and skin structure infection, pelvic inflammatory disease, intra abdominal infection, uncomplicated gonorrhoea infection and surgical prophylaxis.

This product is classified under Customs Heading 2941 and 2942 of the first schedule of the Customs Tariff Act, 1975. The relevant eight digit level classifications are 2941.9090 and 2942.0090.

3. Like article

The applicant has claimed that there is no significant difference between the products manufactured by them and the subject goods imported from the subject country, which can have any impact on price, usage, quality etc. The applicant also claims that there is no material difference in the production process between the petitioner and exporters from China PR. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles of the product imported from the subject country within the meaning of the Rules, supra.

4. Domestic industry and Standing

The application has been filed by M/s. Aurobindo Pharma Ltd., Hyderabad Andhra Pradesh, India one of the major producers of the subject goods in India. The Authority notes that there are other small producers of the subject goods in India i.e. M/s. Orchid Chemicals, Chennai; M/s. Lupin Lab, MP; M/s. Nectar Life Science, Chandigarh and M/s. Kopran Ltd. Mumbai. It has been brought to the notice of the Authority that M/s. Orchid Chemicals is a 100% EOU and has imported the subject goods during the POI and therefore, do not qualify to be considered as a domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Rules. On the basis of the estimated capacities and production volumes of other domestic producers, the applicant commands a major proportion of the production of the subject goods in India. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation the applicant M/s. Aurobindo Pharma Ltd. commands the standing in terms of Rules 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rules 2(b). The Authority may however, call information from other known domestic producers for injury and Injury margin determination.

5. Normal value

The applicant has requested that China PR may be treated as a Non-Market Economy in terms of 8(1) & (2) of Annexure 1 of the Rules. Therefore, Normal value in respect of China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 of the Rules on the basis of Non-market economy presumption against that country, subject to rebuttal of the above presumption by individual exporters. The Authority may however, notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of the above provision.

6. Export price

The export price of individual products has been estimated on the basis of data collected from secondary data sources after adjusting the same for airfreight and insurance.

7. Dumping margin

On the basis of positive evidence placed by the applicants before the Authority it appears that the Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export price to India, indicating *prima facie* that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject country. The dumping margin so estimated, is positive and above de minimis.

8. Injury and causal link

The applicant has furnished information on volume and value of dumped imports from the subject country and various parameters relating to injury to the domestic industry, on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price undercutting and underselling, Price depression, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, *prima facie* indicate that the dumped import of the subject goods from the subject country has injured the Domestic Industry.

In addition to the claim of material injury, the applicant has also made a claim of threat of injury on the grounds that there is a significant rate of increase of dumped imports from the subject country; availability of freely disposable

capacities in the country of export which is evident from the rate of increase in exports within a short time; and sharp decline in prices of the subject goods resulting in significant price effects.

9. Procedure

- (a) **Countries/Territories involved:** Peoples Republic of China
- (b) **Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1-10-2005 to 30-9-2006. The injury investigation period will however, cover the period 2003-04, 2004-05, 2005-06 and the POI.
- (c) **Submission of information:** The exporters in the subject Country, the Government of Peoples Republic of China, through its embassy in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the :

The Designated Authority
 Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
 Ministry of Commerce and Industry
 Government of India
 Udyog Bhavan
 New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

- (d) **Time limit:** Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty (40) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within (40) forty days from the date of the letter addressed to them.
- (e) **Submission of information on Non-confidential basis:** In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.
- (f) **Inspection of public file:** Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties in terms of Rules 6(7).

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

1970 GI/c7-2